मोहनजोदड़ो की 'नर्तकी' — प्रमुख तथ्य

कला और संस्कृति / प्राचीन इतिहास (प्रारंभिक परीक्षा: सामान्य अध्ययन) | समाचार संदर्भ: 16 जून 2026 | प्रकाशित: 24 अक्टूबर 2026

खबरों में क्यों

जून 2026 में कक्षा 9 की कला-पाठ्यपुस्तक में मोहनजोदड़ो की प्रसिद्ध कांस्य प्रतिमा 'डांसिंग गर्ल' के बदले हुए चित्र पर विवाद हुआ। रिपोर्टों के अनुसार चित्र में प्रतिमा के ऊपरी धड़ पर गहरी छाया डाली गई थी। इसके बाद 16-17 जून की रिपोर्टों में मूल रूप वाला चित्र डिजिटल और आगामी मुद्रित संस्करणों में वापस लाने के निर्णय की सूचना दी गई। इसलिए इस खबर को केवल बदलाव पर रोककर नहीं पढ़ना चाहिए। बाद की घोषणा भी समाचार का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यहाँ वर्तमान डिजिटल पृष्ठ का स्वतंत्र दृश्य सत्यापन करने का दावा नहीं किया गया है।

पहले समझें: यह प्रतिमा क्या है?

मोहनजोदड़ो से मिली लगभग 10.5 सेंटीमीटर की यह कांस्य प्रतिमा सिंधु घाटी सभ्यता की प्रसिद्ध कलाकृतियों में है। यह मोम-क्षय (लॉस्ट-वैक्स) ढलाई से बनी है: पहले मोम का मॉडल, फिर मिट्टी का आवरण, मोम पिघलाने पर बनी खाली जगह में पिघली धातु डाली जाती है। 'डांसिंग गर्ल' नाम बाद की व्याख्या है; वास्तविक पेशे का लिखित प्रमाण नहीं, इसलिए नाम को तथ्य नहीं मानना चाहिए।

मुख्य तथ्य

- **'नर्तकी' प्रतिमा:** मोहनजोदड़ो से मिली लगभग 10.5 सेमी की कांस्य प्रतिमा; सिंधु घाटी सभ्यता की प्रसिद्ध कलाकृति।
- **नाम की सीमा:** 'नर्तकी' नाम बाद का अनुमान है; वह वास्तव में नर्तकी थी या नहीं, यह प्रमाणित नहीं — नाम को तथ्य न मानें।
- **कांस्य का महत्व:** धातु-कला का ज्ञान और तकनीकी कुशलता दिखाता है; सिंधु घाटी की शिल्प-परंपरा का प्रमाण।
- **मोम-क्षय ढलाई (लॉस्ट-वैक्स कास्टिंग):** पहले मोम का मॉडल, फिर मिट्टी का आवरण, मोम पिघलाकर खाली जगह में पिघली धातु — एक ही बार बनने वाली विधि।
- **ढलाई बनाम तराशना:** ढलाई में पिघली धातु साँचे में ढलती है; तराशने में ठोस पदार्थ काटकर आकार दिया जाता है।
- **प्रमाण पढ़ने की सीमा:** मूल वस्तु, प्रतिकृति और चित्र तीन अलग साक्ष्य-स्तर; बदले/फ़िल्टर किए चित्र पर आधारित निष्कर्ष संदिग्ध हो सकते हैं।

PCSMANTRA.COM

परीक्षा की दृष्टि से

प्रारंभिक परीक्षा के लिए याद रखने योग्य: प्रतिमा की पहचान और आकार, मोम-क्षय ढलाई की विधि, ढलाई बनाम तराशने का अंतर और नाम की सीमा। कांस्य कला के ऐतिहासिक महत्व, प्रतिमा की व्याख्या के प्रमाण-प्रश्न और संरक्षण-प्रदर्शन के पहलुओं का विश्लेषण मुख्य परीक्षा लेख में (लिंक नीचे स्रोत में)।

प्रारंभिक परीक्षा अभ्यास:

प्रश्न 1. मोहनजोदड़ो की 'डांसिंग गर्ल' के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह हड़प्पा सभ्यता की कांस्य प्रतिमा है।
2. मोम-क्षय ढलाई में मोम से बना आकार गर्म करने पर निकल जाता है और बने साँचे में धातु डाली जाती है।
3. इसका प्रचलित नाम संबंधित व्यक्ति के वास्तविक पेशे का निर्णायक लिखित प्रमाण है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 3

(d) 1, 2 और 3

> **उत्तर: (a) केवल 1 और 2।** प्रतिमा का प्रचलित नाम उसकी व्याख्या का हिस्सा है, वास्तविक पेशे का लिखित अभिलेख नहीं।

स्रोत और सीमाएँ

- राष्ट्रीय संग्रहालय (अनुभव स्पर्श-दीर्घा पृष्ठ): मूल प्रतिमा, प्रतिकृति और मोम-क्षय ढलाई का विवरण (पढ़ा): https://nationalmuseumindia.gov.in/en/anubhav-a-tactile-experience
- राष्ट्रीय संग्रहालय: हड़प्पा सभ्यता दीर्घा और प्रतिमा की प्रदर्शन-स्थिति (पढ़ा): https://nationalmuseumindia.gov.in/en/harappan-civilization
- NCERT कला-पाठ्यपुस्तक अध्याय: हड़प्पा कला और कांस्य ढलाई की चर्चा (पढ़ा): https://ncert.nic.in/textbook/pdf/kefa102.pdf
- BBC 16 जून: चित्र बदलने और मूल रूप लौटाने की रिपोर्ट (पढ़ी): https://www.bbc.com/news/articles/c7vyzgl2142o
- इंडियन एक्सप्रेस 16-17 जून: सुधार के निर्णय पर रिपोर्ट (पढ़ी): https://indianexpress.com/article/education/express-impact-ncert-to-restore-nude-dancing-girl-image-in-class-9-arts-textbook-10741414/
- **सीमाएँ:** वर्तमान कक्षा 9 पाठ्यपुस्तक के डिजिटल पृष्ठ का स्वतंत्र दृश्य सत्यापन नहीं किया गया; मूल चित्र लौटाना घोषित निर्णय के रूप में रिपोर्टेड है, पूरा हुआ संपादन के रूप में नहीं। संग्रहालय-स्रोतों में प्रतिमा की ऊँचाई के माप में अंतर है, इसलिए आकार का आँकड़ा नहीं दिया गया। प्रतिमा से वास्तविक पेशा, सामाजिक दर्जा या नस्ल पर कोई निष्कर्ष नहीं निकाला गया; पुराने नस्लीय वर्गीकरण वाले दावे शामिल नहीं किए गए। मूल वस्तु की कोई बाहरी तस्वीर बदलकर इस्तेमाल नहीं की गई है।

PCSMANTRA.COM

इसी विषय का मुख्य परीक्षा (विश्लेषण) लेख: मोहनजोदड़ो की 'नर्तकी': कांस्य कला और ऐतिहासिक प्रमाण की सीमा